

| | | |
|-----|------------------------------------------------|----|
| अ | लोकसभा २०२४ | |
| नु | अंत तर दिसतो आहे, पण... | ५ |
| क्र | विजय कुंजीर | |
| म | निकाल - आत्मचिंतनाचाही | ११ |
| | कलीम अजीम | |
| | विशेष लेख | |
| | बेस्टचे 'वर्स्ट' दिवस | २२ |
| | सुवेध जयवंत | |
| | बलात्कान्यांना संरक्षण देणारा 'नवा भारत' | २७ |
| | रंजना पाढी अनु. स्वातिजा मनोरमा, सुहास परांजपे | |
| | श्रीलंकेतील महिला व सिंहली-बौद्ध राष्ट्रवाद | ३७ |
| | रोहिणी हेन्समन अनु. विनया मालती हरी | |
| | पुस्तक परिचय | |
| | स्त्री-जाणीवेची अनुभवनिष्ठ कविता | ४७ |
| | सारिका उबाळे | |

अंकात व्यक्त झालेल्या मतांशी संपादक, संपादक मंडळ सहमत असेलच असे नाही.